Training session for DAV students

'Mind Control and Training Session' was organized in DAV, BRS. Nagar. Swami Omkarananda Saraswati along with Swami Vivekananda Saraswati conducted the session which was attended by the students of classes IX and X. Swami Omkarananda Saraswati, a motivational speaker who has penchant for transforming lives, in an interactive manner stressed upon the need to have a control over our minds.

Mind control and training session held at DAV

LUDHIANA: A 'mind control and training session' was organised in DAV BRS Nagar on Monday. Swami Omkarananda Saraswati along with Swami Vivekananda Saraswati conducted the session which was attended by the students of Classes 9 and 10. Swami Omkarananda Saraswati, a motivational speaker stressed upon the need to have a control over our minds. He said that daily practice of meditation energises and enables to tap our higher level of energy and consciousness. He quoted great leaders such as Dr Radhakrishnan and Dr Abdul Kalam who had a humble beginning and made it big in their lives owing to their determination. He inspired students to dream big and to do self-analysis to overcome their shortcomings.

डी.ए.वी. स्कूल में छात्रों के चरित्र निर्माण संबंधी विशेष सभा

आर्ट ऑफ मैन मेकिंग को अपनाकर सद्चरित्र का निर्माण संभव : स्वामी ओमकारानंद

लुधियाना, 24 जुलाई (विक्की): डी.ए.वी. स्कूल बी.आर.एस. नगर में छात्रों के चरित्र निर्माण संबंधी विशेष प्रार्थना सभा आयोजित की गई। इस सभा में स्वामी ओमकारानंद सरस्वती (वैदिक मोहन आश्रम, हरिद्वार) एवं स्वामी विवेकानंद सरस्वती (पतंजलि योग पीठ) हरिद्वार मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। स्वामी ओमकारानंद सरस्वती ने अपने वक्तव्य में ओइम् की शक्ति का महत्व बताते हुए छात्रों से कहा कि जैसे भोजन हमारे शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है, उसी प्रकार ध्यान व योग हमारी आत्मा के लिए ऊर्जा का संचार करते हैं इसलिए हरेक विद्यार्थी को अपने जीवन में ध्यान व योग अपनाना चाहिए।

उन्होंने भारतीय संस्कृति के मूलमंत्र मातृ देवो भव:, पितृ देवो भव:, गुरु देवो भव: पर बल दिया। उन्होंने छात्रों को आचरण में सुधार लाने के लिए आत्म शुद्धि व आत्मशोधन के लिए प्रेरित किया। स्वामी जी ने कहा कि आर्ट ऑफ मनी मेकिंग के दौर में आर्ट ऑफ मैन मेकिंग को अपनाकर ही सद्चरित्र का निर्माण संभव है।

स्टूडैंट्स को समझाया योग का महत्व

सम्बोधित करते स्वामी जी, साथ हैं उपस्थित प्रिंसीपल जे.के. सिद्धू।

प्रार्थना सभा में भाग लेती स्कूल के विद्यार्थी।

उन्होंने डा. अब्दुल कलाम व डा. एस. राधा कृष्णन के उदाहरण देकर चरित्र उत्थान के लिए प्रोत्साहित किया।

स्वामी विवेकानंद सरस्वती ने छात्रों को योग का महत्व बताते हुए कहा कि योग ही आत्मा को परमात्मा से मिलाने का सफल साधन है। उन्होंने छात्रों को योग मुद्राओं का ज्ञान देते हुए प्राणायाम, अनुलोम-विलोम आदि मुद्राएं करवाई और इन्हें दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया।

प्रिंसीपल जसविंद्र कौर सिद्धू ने कहा कि स्टूडैंट्स को स्वामी जी द्वारा दिए गए प्रवचनों को जीवन में अपनाकर अपने व्यक्तित्व को निरखाने के लिए तत्पर रहना चाहिए।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Tue, 25 July 2017
epaper.punjabkesari.in//c/23609897